कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अगस्त, 2025, अंक 16

मूंग उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 9.7.25 को निकरा परियोजना में मूंग उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जलवायु अनुकूल किस्मों के वर्गीकरण कम समय एवं बारानी में उच्च उत्पादन देने के साथ–साथ उच्च पोषक मूल्य वाली किस्मों का चयन, बीज उपचार, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवं प्रशिक्षण उपरान्त कृषकों को मूंग की किस्म एम.एच.–1142 को बीज प्रदर्शन के रूप में उपलब्ध करवाये गये ।

वर्षा ऋतु में पशुओं के देखरेख हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 11.7.25 को गांव बरलाजसर में अनुसूचित जाति उप–योजनान्तर्गत एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण ''वर्षा ऋतु में पशुओं के स्वास्थय प्रबंधन'' विषय पर रखा गया जिसमें 24 पशुपालकों ने भाग लिया। केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ ने पशुओं में होने वाली ब्लैक क्वार्टर, गलगोटू व खुरपका एवं मुँहपका बीमारियों के लक्षण, कीडे, जूं, चींचड से बचाव व रोकथाम आदि के बारे में अवगत कराया । कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुपालकों को बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने व दूध देने वाले पशुओं को गंदगी रहित स्थान पर रखने व पशुओं के नीचे सूखा करके रखने, पशुओं को तालाब व गढढे के पास न ले जाने, दूध निकालने से पूर्व व बाद में थनों को लाल दवा के पानी से साफ करने हेतु भी तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया ।

ग्रामीण युवाओं के लिए नर्सरी प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत ''नर्सरी प्रबंधन'' विषय पर 21 दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 13 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक हुआ, जिसमें 10 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को नर्सरी प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना था । प्रशिक्षण सत्र के दौरान उच्च गुणवता वाले पौधों की प्राप्ति हेतु उन्नत किस्म के बीजों के वर्गीकरण, मिट्टी एवं खाद के मिश्रण का समुचित उपयोग, जैविक बीज उपचार, बीज बुवाई हेतु आवश्यक सिंचाई पद्वति आदि विवरणात्मक जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के बागवानी विषय विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने प्रतिभागियों को पौध प्रवर्धन (च्संदज च्तवचंहंजपवद) की विधियों एवं तकनीकों जैसे– बीज, कटिंग, कलम, ग्राफ्टिंग आदि विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ ही टॉपरीय, बगीचे का रेखांकन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया । प्रशिक्षण में सैद्वान्तिक सत्रों के साथ–साथ खेत एवं नर्सरी भ्रमण, प्रयोगात्मक गतिविधियॉ तथा प्रदर्शन विधियों को भी शामिल किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को विषय की गइराई से समझ प्राप्त हो सके । कार्यक्रम के समापन अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक श्री अजय कुमावत एवं श्री मुकेश शर्मा द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

पोषाहार वाटिका प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनो का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना (ैब्व) परियोजना अन्तर्गत दिनांक 14–15 जुलाई 2025 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में किया गया जिसमें ग्राम बरलाजसर, सरदारशहर की 22 महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक घर में सब्जी उत्पादन एवं उपलब्धता के उद्देश्य से पौषाहार वाटिका का संतुलित भोजन एवं पोषण में महत्व, उन्नत किस्म के बीजों का चयन, बीजोपचार, क्यारी निर्माण, जैविक खाद प्रयोग, बीज बुवाई की विधि, सिंचाई प्रबंधन आदि बिन्दुओं पर सैद्वान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को खरीफ सीजन में लगने वाले बीज (लॉकी, तुरई, भिंडी, चंवला) एवं फलदार पौधे (नींबू, सहजन, आंवला, बेर, करौंदा) प्रदर्शन के रूप में उपलब्ध करवाये गये ।

कातरा नियंत्रण हेतु त्वरित भ्रमण सर्वेक्षण कार्यक्रम

दिनांक 19.7.25 को केन्द्र के पौध सरंक्षण विशेषज्ञ एवं कृषि विभाग,चूरू की संयुक्त टीम ने सरदारशहर तहसील के गांव सावर, जैतासर गांवों में कातरा प्रबंधन हेतु त्वरित भ्रमण सर्वेक्षण किया तथा कातरा प्रबंधन हेतु मोके पर ही कृषकों को जानकारी दी गई । इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा, कृषि विभाग,चूरू से कृषि अधिकारी श्री विजय पुरी, श्री मोतीलाल सैनी, श्री पूनमचंद एवं सहायक कृषि अधिकारी श्री हरेन्द्र धनावत ने भ्रमण में भाग लिया ।

केन्द्रीय विद्यालय के छात्र–छात्राओं का भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 19.7.25 को केन्द्र पर केन्द्रीय विद्यालय, चूरू के 37 छात्र–छात्राओं ने भ्रमण कर प्राकृतिक खेती व उनके उत्पादों (बीजामृत, धनजीवामृत एव नीमास्त्र) की जानकारी प्राप्त की और केन्द्र के फार्म पर प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत बोई गई फसल, अन्य इकाईयों नर्सरी युनिट, वर्मी कम्पोस्ट युनिट, अजौला युनिट, नैपियर युनिट एवं बगीचा युनिट आदि का अवलोकन किया एवं संबंधित विशेषज्ञों से विचार विमर्श कर नवीन तकनीकियों के बारे में सीखा गया । केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा छात्र–छात्राओं को कृषि क्षैत्र में शिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा कृषि संबंधित अवसरों एवं रोजगारों के बारे में विस्तृत विचार विमर्श किया ।

लनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान)	डॉ. वी. के. सैनी
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)	Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)	Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	कृषि विज्ञान केन्द्र,
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)		सरदारशहर,चूरू–I
श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)		
श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)		